भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5689** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025/ 14 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है

साल और जुआरी नदी का तलकर्षण और उनमें से गाद हटाना

†5689. कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को गोवा से बाढ़ को रोकने और नौवहन क्षमता में सुधार करने के लिए जुआरी और साल नदियों की महत्वपूर्ण सहायक नदियों के तलकर्षण और गाद हटाने के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम के अंतर्गत कोई निधि आवंटित की गई है; और

(ग) क्या सरकार का दक्षिण गोवा में गाद हटाने और नदी तट स्थिरीकरण परियोजनाओं की सहायता करने का विचार है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क)से (ग): बाढ़ प्रबंधन एवं अपरदन- रोधी योजनाओं को संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उनकी प्राथमिकता के अनुसार तैयार और कार्यान्वित किया गया है। केन्द्र सरकार संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ के प्रबंधन हेतु तकनीकी मार्ग दर्शन एवं संवर्धन, वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। बाढ़ प्रबंधन के संरचनागत उपायों को सुदृढ़ करने के लिए, जल शक्ति मंत्रालय ने XI और XII योजना के दौरान राज्यों को नदी प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, अपरदन- रोधी, ड्रेनेज विकास, समुद्री कटाव रोधी आदि से संबंधित कार्यों के लिए केन्द्रीय सहायता प्रदान करने हेतु बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम (एफएमपी) कार्यान्वित किया था जो बाद में 2017-2018 से 2020-21 की अवधि के लिए "बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम" (एफएमबीएपी) के घटक के रूप में जारी रखा गया और इसे मार्च, 2026 तक आगे बढ़ाया गया है। एफएमबीएपी योजना के अंतर्गत गोवा की दो बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है तथा 11.98 करोड़ रु. की केन्द्रीय सहायता राशि जारी की गई है। जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय तलछट प्रबंधन

ढांचा (एनएफएसएम) तैयार किया है जिसमें वॉटर शेड, नदियों और जलाश्यों में तलछट प्रबंधन हेतु अप्रोच/ उपायों पर फोकस किया गया है।

****